पुस्तकालय

2
3216
13/4/12

सत्यमेव जयते

29 MAR 2012

असंशोधित

29 MAR 2012
29 MAY 2012

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग 1—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर)

प्रतिवेदन शाखा
गै०स०प्रे०सं०...620...तिथि...13/5/12

तारांकित प्रश्न संख्या : २८९७ पर पूरक जारी

श्री रमेश ऋषिदेव : दो साल पहले बन कर के योजना तैयार है । पाईप बिछा कर के कंप्लीट है लेकिन अभी तक चालू नहीं किया है और पदाधिकारी के शिथिलता के कारण ऐसा हुआ है तो मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जो पदाधिकारी अनसुनी किये हैं, शिथिलता बरते हैं तो क्या सरकार उन के ऊपर कोई कार्रवाई करने का विचार रखती है ?

श्री प्रेम कुमार,मंत्री : महोदय, दो जलापूर्त्ति योजना है - एक कुमारखंड में और दूसरा शंकरपुर में । दोनों जगह बाढ़ कारण बह गया था। उसका फिर से एस्टीमेट कराया गया, अब अगले वित्तीय २०१२-१३में उस योजना के कार्यान्वयन पर सरकार विचार करेगी ।

श्री रमेश ऋषिदेव : महोदय, दो साल पहले से बन कर तैयार है ।

अध्यक्षः माननीय मंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष २०१२-१३ में इस कार्य को पूर्ण करा लिया जायेगा।

.....

तारांकित प्रश्न संख्या : २८९८ (मा०स०श्रीमती मंजू हजारी)

श्री प्रेम कुमार,मंत्री : अध्यक्ष महोदय, खंड : १ उत्तर अस्वीकारात्मक है । प्रश्नाधीन ग्रामों में विभागीय चापाकलों की संख्या निम्नवत् है :-

	ग्राम का नाम	आबादी	विभागीय चालू चापाकलों की संख्या
१.	उदयपुर	१४०६	१४
२.	रानीपरती	१२५०	२२
३.	धर्मपुर	१९६७	१३
४.	कजरा वीरपुर	७२२	०६

उक्त गावों में निर्धारित मापदंड के अनुसार पर्याप्त चापाकल है ।

महोदय, जो सरकार का मापदंड है, उस के हिसाब से सभी गावों में चापाकल लगाये जा चुके हैं ।

अध्यक्ष : पर्याप्त चापाकल लगे हुये हैं ।

श्रीमती मंजू हजारी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि दलित एवं महादलितों के विकास के लिये हमारी सरकार द्वारा अनेक विकास की योजनायें चलायी जा रही है परन्तु अभी भी दलित एवं महादलित की बस्तिओं में पीने योग्य पानी का बहुत ही अभाव है । उदाहरणस्वरूप मैंने अपने प्रश्न में कुछ बस्तिओं का जिक्र किया है । मैं माननीय मंत्री जी से आग्रह करती हूं कि दलित एवं महादलित की बस्तियों में प्राथमिकता देते हुये आबादी के अनुकूल स्वच्छ जलापूर्ति हेतु अधिक गहराई वाले चापाकल एवं सौर ऊर्जा चालित मिनी पानी टंकी वित्तीय वर्ष में गर्मी से पहले लगाने का विचार रखते हैं ?

अध्यक्ष : ठीक है । आग्रह को स्वीकार कीजिये ।

श्री प्रेम कुमार मंत्री : महोदय मैंने स्पष्ट किया है कि इन्होंने चार गांवों की चर्चा की है और भी जगहों पर हमारा जो राष्ट्रीय मानक है, उस के हिसाब से चापाकल चालू अवस्था में है ।

श्रीमती मंजू हजारी : कबतक ?

अध्यक्ष : माननीय मंत्री ।

श्री प्रेम कुमार,मंत्री : महोदय, पुनः दिखवा लेते हैं । अगर आवश्यकता होगी तो निश्चित तौर पर चापाकल लगाया जायेगा।

....

तारांकित प्रश्न संख्या :२८९९ (मा०स०श्री मंजीत कुमार सिंह)

श्री प्रेम कुमार,मंत्री : अध्यक्ष महोदय, खंड १ : उत्तर आंशिक स्वीकारात्मक है । वस्तुतःमुख्य सफाई निरीक्षक का कुल स्वीकृत पद ३ है, जिस के विरूद्ध कार्यरत बल - १ है तथा २ पद रिक्त हैं । सफाई पर्यवेक्षण का कुल स्वीकृत पर २२१ है, जिस के विरूद्ध कार्यरत बल १५० है तथा ७१ पद रिक्त है ।

खंड २: उत्तर आंशिक स्वीकारात्मक है ।

वस्तुतः चालक का कुल स्वीकृत पद ७० है, जिस के विरूद्ध कार्यरत बल १४ है और ५६ पद रिक्त हैं । सफाई मजदूर का कुल स्वीकृत पद ३,४९६ है जिस के विरूद्ध १२०९ कार्यरत हैं तथा १५९४ पद रिक्त हैं ।

खंड : ३ : विभागीय ज्ञापांक संख्या ६६३ दिनांक ०३.०२.८१ एवं ३९३९ दिनांक २०.११.१९९९ के द्वारा नगर निकायों की दयनीय आर्थिक स्थिति के कारण नगर निकायों के कर्मचारियों की नियुक्ति पर सरकार द्वारा रोक है । परन्तु रिक्त स्वीकृत बल पर संविदा के आधार पर निगर निकाय नियुक्त करने के लिये स्वयं सक्षम है । नगर निगम के सभी पदों की वरीयता सूची प्रकाशित कराने तथा रिक्ति का रोस्टर पारित करने का आदेश दिया जा रहा है ।

श्री मंजीत कुमार सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि माननीय मंत्री ने खंड १ एवं २ के उत्तर को स्वीकारात्मक कहा है । तो माननीय मंत्री जी यह बतायें कि सफाई निरीक्षक, मजदूरों और कार्यरत बल जो हैं, ये नगर निगम में कब से ये पद रिक्त है और माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहते हैं कि जो सफाई निरीक्षक है, इनलोगों के पद रिक्त रहने से शहरों में जो गंदगी हुयी है और मच्छरों का जो प्रकोप हुआ है, अब तक सरकार सफाई की क्या व्यवस्था की है और नियोजन की प्रक्रिया अब तक क्यों नहीं की है और माननीय मंत्री स्पष्ट तौर पर यह बतायें कि नगर निगम के क्षेत्र में कितने वार्ड हैं और उस वार्ड का क्षेत्रफल क्या है,उन की जनसंख्या क्या है और जनसंख्या के आधार पर इन्होंने सफाई की क्या व्यवस्था की है ।

अध्यक्षः माननीय सदस्य मंजीत जी, आप अपने प्रश्न को थोड़ा व्यापक कर रहे हैं । इतना व्यापक मत कीजिये कि जवाब ही न दे सकें ।